विद्यालय नेतृत्व अकादमी

झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्

राँची, झारखण्ड

झारखण्ड के संदर्भ में मोड्यूल का निर्माण

विषय:- विद्यार्थियों में व्यावसायिक शिक्षा के प्रति रूचि जाग्रत करने में विद्यालय प्रधान की भूमिका: झारखण्ड राज्य के सन्दर्भ में

मोड्यूल निर्माण सदस्य

मु. शम्स प्रवेज
राजकीयकृत + 2 उच्च विद्यालय हनमारा, गोड्डा

श्री अनिल मिंज
प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, ईरगावं, लोहरदगा

श्रीमती कल्पना बागे
संकाय सदस्य - जे.सी.ई.आर.टी

परिचय - झारखंड जैसे राज्य में व्यावसायिक शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, इसे अलग करके नहीं देखा जा सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न आयोगों जैसे माध्यमिक शिक्षा आयोग (1951 – 52), कोठारी आयोग (1964 – 66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020, ने व्यावसायिक शिक्षा तथा व्यावसायिक कौशल विकास पर अधिक एकाग्रता से विद्यालय स्तर पर बल दिया। भारत में प्राचीन काल से ही व्यावसायिक शिक्षा के प्रमाण मिलते रहे हैं, व्यावसायिक शिक्षा बच्चों में वैज्ञानिक सोच तथा आधुनिकता पैदा करती है। झारखंड में आज व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाना अति आवश्यक है, ताकि शिक्षा को रोजगार परक बनाया जा सके। NEP भी व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा के एक रूप में परिभाषित करती है जो ज्ञान के साथ-साथ व्यापार के अवसर को बढ़ावा देता है। व्यावसायिक शिक्षा आधुनिक युग की नई मांग है, इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए इसे राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना NCF - 2005 में सम्मिलित किया गया था। यह छात्रों को जीविकोपार्जन योग्य बनाता है, चूँकि झारखंड राज्य खनन एवं प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है, अतः इस राज्य के विद्यालय में बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना और अधिक आवश्यक है ताकि इन संसाधनों का लाभ उठाकर बच्चों में स्वरोजगार की भावना विकसित हो सके। व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर बच्चों में एवं अभिभावकों में भविष्य में रोजगार के अवसर की चिंता घट रही है तथा बच्चों की उपस्थिति, नामांकन बढ़ी है एवं ड्रॉप आउट घटी है।

की-वर्ड –प्रशिक्षण,करियर,विकास,कौशल,व्यवसाय,जीवनपर्यंत,आकलन,कार्यरत,अनुभव,निर्माण,आर्थिक , रचनात्मकता, उत्पादकता, सामाजिक,

झारखंड के परिप्रेक्ष्य में व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति - स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (JEPC) के द्वारा विद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा का प्रारूप एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है, जिसके अंतर्गत झारखंड सरकार विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर 9 वीं से 12वीं तक के विद्यालय में विभिन्न ट्रेड के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षक की नियुक्ति करती है। ये प्रशिक्षक बच्चों में उस ट्रेड से संबंधित सभी जानकारी प्रदान करते हैं तथा बच्चों को प्रशिक्षित करते हैं। झारखंड के विद्यालय में अभी तक निम्न ट्रेड की पढ़ाई चल रही है :-

Trade/Sector and Job Roles			
S.N.	Trade/Sector	Job Role Class 9-10	Job Role Class 11-12
1	Agriculture	Solanaceous Crop Cultivator	Floriculturist Open Cultivation
2	Apparels	Sewing Machine Operator	Self Employed Tailor
3	Automotive	Auto Service Technician 3 Two and Three Wheeler/Four Wheeler Service Assistant	Auto Service Technician L4/ Four-wheeler Service Technician
4	Beauty & Wellness	Assistant Beauty Therapist	Beauty Therapist
5	Electronics	Junior Field Technician - Home Appliances	Installation Technician Computing and Peripherals General Duty Assistant -
6	Healthcare	Home Health Aide-Trainee	Trainee
7	IT –IteS	Domestic Data Entry Operator	Junior Software Developer

8	Media & Entertainment	NA	Texturing Artist
9	Multiskilling	Multi Skill Assistant Technician	NA
10	Retail	Retail Store Operations Assistant	Retail Sales Associate
11	Tourism & Hospitality	Food and Beverage Service Assistant	Customer Service Executive Meet and Greet

उपर्युक्त ट्रेड के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी एजेंसियां झारखंड के युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करती है तथा युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

झारखंड के परिप्रेक्ष्य में व्यावसायिक शिक्षा के उद्देश्य –

- शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को मूर्त रूप प्रदान करना
- मानव संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राकृतिक संसाधन से लाभ उठाना
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं कौशल को विकसित करना
- विद्यार्थियों में समाज कल्याण की भावनाओं को विकसित करना
- विद्यार्थियों में यह गुण विकसित करना कि वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं का हल वह कैसे करेंगे
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को लाना

गतिविधि – 1

स्वंय के प्राकृतिक रूचियों का आकलनः- स्वंय के विकास के लिए यह अति आवश्यक है, कि हम अपनी क्षमताओं की पहचान करें कि कौन-कौन सी क्षमताएँ मुझमें विद्यमान है। और किन-किन क्षमताओं का विकास मुझे अभी करना बाकी है।

अपनी क्षमताओं की पहचान से संबंधित एक गतिविधिः-

निर्देश :- प्रत्येक कथन को पढ़ें और दाहिनी ओर के बॉक्स में उस कथन के अनुसार जो संख्या आपके लिए सटीक बैठता है उसे भरें। आप उस आधार पर भरें कि आप क्या हैं, न कि आप क्या होना चाहते हैं या आपको क्या होना चाहिए। ये कथन आपके लिए कितने सटीक हैं? आपके अनुभव क्या कहते हैं? ये कथन किस हद तक आपके प्रवृतियों को प्रदर्शित करते हैं? उदाहरण के लिए- पहले कथन के अनुसारः-'मैं किसी भी प्रकार के प्रबंधन कार्यों में चतुर, कुशल और दक्ष हूँ।' यदि यह कथन आपके संबंध में –

- हमेशा सही है तो दाहिने बॉक्स में '5' लिखें।
- यदि अक्सर सही होता है पर हमेशा नहीं तो '3' लिखें।
- यदि कभी कभी सही होता है तो '1' लिख सकते हैं।
- और कभी भी सही नहीं होता है तो '0' लिख सकते हैं।

1.	नन्हें पौधों को बढ़ते हुए देखना मुझे अच्छा लगता है।	
2.	मुझे नए-नए स्टाईल के ड्रेस अपनी ओर आकर्षित करते हैं।	
3.	बचपन से ही मैं अपने पिताजी के साथ मोटर साइकिल को साथ में धोता और साफ करता था।	
4.	मुझे सलीके से तैयार होना अच्छा लगता है।	
5.	बचपन में जिज्ञासावश कई सामानों जैसे घड़ी, खिलौनों को खोलकर बर्बाद किया है।	
6.	मैं प्रति दिन योगा, व्यायाम करता हूँ।	
7.	मुझे कम्प्यूटर में काम करना अच्छा लगता है।	
8.	मुझे सोशल मीडिया से जुड़ा रहना अच्छा लगता है।	
9.	मैं एक साथ कई काम को हैंडल कर सकता हूँ।	
10.	मुझे घर के सभी सामानों को सजा कर रखना पसंद है।	
11.	मुझे नए-नए जगहों में घूमना अच्छा लगता है।	

12.	मुझे टुटे हुए डाली एवं सूखते हुए पौधों को देखकर बहुत दर्द होता है।	
13.	मैं नए-नए डिजाइन के ड्रेस बना सकता हूँ।	
14.	गाड़ी से तेज आवाज निकलने पर मैं परेशान हो जाता था और उसकी आवाज को कम करने के बारे में सोचता था।	
15.	मैं अपने LOOKS एवं HEALTH के प्रति जागरूक हूँ और इसके लिए कार्य भी करता हूँ।	
16.	मैं घर में बिजली से चलने वाले सामानों के खराब होने पर ठीक करता हूँ जैसे- लाईट, पंखा, बिजली कनेक्शन इत्यादि।	
17.	मैं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हूँ और अपने खान-पान को भी उसके अनुसार व्यवस्थित भी करता हूँ।	
18.	मैं कम्प्यूटर में काफी तेजी से काम कर सकता हूँ।	
19.	मुझे रील्स बनाना पसंद है और मैं करता भी हूँ।	
20.	मुझे अपने घर एवं पड़ोस के खराब हुए नल को ठीक करना अच्छा लगता है।	
21.	मेरे द्वारा रखे गए सभी सामानों को कोई भी आसानी से ढूँढ सकता है।	
22.	मैं जिस जगह घूमने जाता हूँ, वहाँ के वातावरण को गहराई से समझना चाहता हूँ।	
23.	बदलते हुए मौसम के अनुसार खिलते हुए फूल मेरे मन को आकर्षित एवं आन्दित करते हैं।	
24.	मैं अपने ड्रेस के बटन टूटने या सिलाई खुलने पर उसे ठीक कर सकता हूँ।	
25.	कार या मोटर बाइक मैकेनिक के कामों को मैं बड़े ध्यान से देखता हूँ।	
26.	मैं दूसररों को ब्यूटी टिप्स देता हूँ और साथ ही अपने दोस्तों को विशेष अवसर पर आकर्षक तरीके से तैयार होने में मदद भी करता हूँ।	
27.	मुझे बचपन से घर में तार के माध्यम से पंखा, लाईट, फ्रिज तक बिजली कैसे पहुँचा ये जानने की बड़ी उत्सुकता बनी रहती है।	
28.	मुझे अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों के स्वास्थ्य की चिंता होती है और इससे संबंधित जानकारी भी समय-समय पर या जरूरत पड़ने पर देता हूँ।	
29.	मैं कम्प्यूटर में डाटा एंट्री आसानी से कर सकता हूँ।	
30.	वीडियो बनाना, एडिटिंग करना एवं अपलोड करना मुझे अच्छा लगता है।	
31.	मुझे टेक्निकल काम करना पसंद है।	
32.	दुकानों में सजाकर रखे गए सामानों को देखकर मैं भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित होती हूँ।	
33.	मेरे द्वारा घूमे गए स्थानों के बारे में मित्रों एवं रिश्तेदारों को बताना अच्छा लगता है।	

प्राकृतिक रूचियों का मूल्यांकन अंक तालिका:-

उपर दिए प्रत्येक प्रश्नों के लिए आपके दिए गए अंकों को पढ़ें और प्रत्येक क्रम संख्या के लिए अपने उत्तर (जैसे-5,3,1 या 0) नीचे दिए गए चार्ट में भरें। इस बात का ध्यान रखें कि प्रश्नों के लिए आपके अंक, प्रश्नों की संख्या से मेल खाते हों। बाईं ओर से दाहिनी ओर भरते जाएं। उसके बाद निचले पंक्तियों को भरें। जब आप क्रम संख्या 1 से 33तक के अंक भर लेते हैं तब फिर आप कॉलम के अंकों का योग करें -

A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33

अपने सभी प्राप्तांकों को नीचे के दिए गए चार्ट में भर लें। यथा कॉलम A के जोड़ का अंक अक्षर Aके सामने। इसी तरह सभी अक्षरों के कॉलम के जोड़ उनके अक्षर के सामने भर लें -

अक्षर	प्राकृतिक रूचि का क्षेत्र	जोड़
A	Agriculture	
B	Apparels	
C	Automotive	
D	Beauty and wellness	
E	Electronics	
F	Healthcare	
G	IT-ITes	
H	Media and Entertainment	
I	Multiskilling	
J	Retail	
K	Tourism and Hospitality	

आपके पाँच मुख्य प्राकृतिक रूचि का क्षेत्र

1.	
2.	
3.	
4.	
5.	

विमर्श के प्रश्न :-

1. बच्चों को व्यवसायिक शिक्षा के लिए किस प्रकार प्रोत्साहित किया जाए।
2. झारखंड के परिप्रेक्ष्य में बच्चों को किस प्रकार की व्यावसायिक शिक्षा दी जाए जिससे कि वह अधिक से अधिक स्वरोजगार की तरफ बढ़ सके।
3. इसके लिए विद्यालय प्रधान तथा शिक्षकों में अनुच्छेद जुड़े सभी संसाधनों की क्या भूमिका होगी।
4. विद्यालय समय सारणी में वोकेशनल एजुकेशन को स्थान देना।
5. इनसे जुड़े योजना का अंतिम लाभार्थी बच्चे है अतः बच्चों तक योजना का लाभ कैसे पहुंचे।
6. विद्यालय में चल रहे विभिन्न ट्रेड के लिए उन्नत प्रयोगशाला किस प्रकार स्थापित हो।
7. विद्यालय के VT एवं HM के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए किन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
8. Industrial Visit and OJT को किस प्रकार से बढ़ावा दिया जा सकता है।

केस स्टडी –

विद्यालय का नाम - +2 उ०वि०हनवारा,गोड्डा

विद्यालय प्रधान का नाम - मु०शम्स प्रवेज

विद्यालय का प्रकार - उच्चतर माध्यमिक (9 - 12)

कुल नामांकन -799

सामाजिक आर्थिक संदर्भ - विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं वंचित वर्ग से आते हैं अतः उनकी आर्थिक स्थिति सामान्यता कमजोर होती है, अतः ऐसे विद्यालय में बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा देने से उनके लिए भविष्य में रोजगार प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

विद्यालय का संदर्भ - इस विद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा पर आरंभ से ही बल दिया जा रहा है सन 2016 में ICT - LABका अधिष्ठापन हुआ तथा बाद में व्यावसायिक शिक्षा का LABअधिष्ठापित हुआ। बच्चे शुरू में व्यावसायिक शिक्षा लेने में हिचकिचाते थे, परंतु VT तथा मेरे द्वारा एवं शिक्षकों के द्वारा बच्चों और अभिभावकों को इसके लिए जागरूक किया गया । अभी बहुत अधिक संख्या में बच्चे

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा एग्रीकल्चर को चुनते हैं क्षेत्र की मांग के अनुरूप बच्चे रोजगार भी प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय में **कृषि** एवं **इलेक्ट्रॉनिक** दो तरह के ट्रेड का ट्रेनिंग बच्चों को दिया जा रहे हैं। 9वीं कक्षा से ही बच्चे को व्यावसायिक शिक्षा की तरफ प्रोत्साहित किया जाता है इस प्रकार 12वीं तक जाते-जाते बच्चे संबंधित ट्रेड में विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर लेते हैं। प्रत्येक ट्रेड के लिए प्रयोगशाला है तथा प्रयोगशाला में बच्चों को प्रयोग सामग्री के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है ओ.टी.जी. /इंटर्नशिप/ गेस्ट लेक्चरर के अलावे बच्चों को लोकल बागवानी, नर्सरी, इलेक्ट्रॉनिक्स के दुकानों पर ले जाकर VT द्वारा उन्नत प्रशिक्षण दिया जाता है।

विद्यालय के व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य -

- रोजगार तथा शिक्षा की तरफ बच्चों अभिभावकों में रुचि पैदा करना।
- व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर चुके छात्रों को उच्च शिक्षा स्वरोजगार अथवा सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाना।
- समय की मांग तथा घरेलू बाजार को ध्यान में रखते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना।

चुनौतियों का सामना- व्यावसायिक शिक्षा के संचालन में मेरे विद्यालय में निम्न चुनौतियां आती हैं :-

- वर्ग कक्षा तथा उपस्कर की कमी के कारण बच्चों के लिए अलग से कमराआवंटित नहीं कर पाते हैं।
- बच्चे 12वीं पास आउट होने के बाद सम्बंधित ट्रेड में उच्च शिक्षा की तरफ नहीं जा पा रहे थे।
- पास आउट बच्चे अपनी पढ़ाई किसी कारणवश जारी नहीं रख पाते थे।

रणनीतियां–

- पेड़ के नीचे या बरामदे पर VT के द्वारा शिक्षा दिया जाता है।
- काउंसलिंग के द्वारा हम उन्हें उच्च डिग्री लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- रोजगार मेला की जानकारी देते हैं, लोकल मार्केट की जानकारी देते हैं तथा स्वरोजगार की तरफ बच्चों को प्रेरित करते हैं।
- बच्चों का काउंसलिंग कर उनकी रुचि के अनुसार ट्रेड देना।
- बच्चों को प्रैक्टिकल नॉलेज देना, प्रयोगशाला का अधिक से अधिक उपयोग करना बच्चों में डूइंग लर्निंग अर्थात करके सीखने के प्रवृत्ति की आदत डालना।
- बीच-बीच में विद्यार्थियों को आसपास के खेतों में जहां किसान आधुनिक ढंग से खेती करते हैं वाहन लेकर बच्चों को जानकारी दिलानाइलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर ले जाकर बच्चों को मिस्त्री द्वारा बिजली उपकरण से संबंधित जानकारी दिलाना।
- स्मार्ट क्लास की सहायता से इंटरनेट के द्वारा नए-नए मोटिवेशनल वीडियो दिखाकर बच्चों की।
- नवाचारिकता की ओर प्रेरित करना।
- विद्यालय को विकसित करने के लिए विभागीय पदाधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित कर तथा पत्राचार कर समय-समय पर विद्यालय के समस्याओं से अवगत कराया जाता है तथा समाधान हेतु अनुरोध किया जाता है तीसरा जो बच्चे अच्छे करते हैं या कोई नया प्रयास करते हैं उन्हें विद्यालय स्तर पर पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाता है।

लाभ - उपर्युक्त रणनीतियों से निम्न लाभ हुए :-

- बच्चे तथा अभिभावकों में व्यावसायिक शिक्षा के प्रति झुकाव बढ़ा, तथा बहुत अधिक संख्या में बच्चे अब व्यावसायिक शिक्षा को एक विषय के रूप में ले रहे हैं।
- बहुत से बच्चे जो आगे चलकर पढ़ाई जारी नहीं रख सके उन्होंने पौधों की नर्सरी खोल, कुछ बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ मिलकर वैज्ञानिक ढंग से खेती करना आरंभ किया।
- कुछ वियार्थियो ने इलेक्ट्रॉनिक्स का दुकान खोल तथा कुछ अच्छे मिस्त्री बनाकर अच्छे पैसा कमा रहे हैं
- कुछ विद्यार्थी 12वीं के आगे भी व्यावसायिक शिक्षा में उच्च डिग्री प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं।

चर्चा के प्रश्न

पांच प्रधानाध्यापकों की सूची बनाकर निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा किया जाना आवश्यक है

- प्रधानाध्यापक होने के नाते हम व्यावसायिक शिक्षा के लिए क्या करते हैं और क्यों करते हैं
- व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमारी क्या जिम्मेदारियां बनती है और उसको पूरा करने में किस हद तक सफल हो रहे हैं
- पारंपरिक शिक्षा की तुलना में व्यावसायिक शिक्षा के क्या लाभ हैं
- व्यावसायिक शिक्षा के संचालन में क्या-क्या चुनौतियां आती हैं और इसका समाधान हम किस हद तक कर रहे हैं क्या हम व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों पर बल देते हैं

प्रधानाध्यापक के कार्य एवं भूमिका :-

प्रधानाध्यापक विद्यालय का मुखिया होता है, जिसका विद्यालय संचालन, प्रबंधन तथा सभी गतिविधियों में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है I अतः प्रधानाध्यापक को व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य करने होंगे :-

1. विद्यालयों के अभिभावकों से संपर्क कर उसे व्यावसायिक शिक्षा योजना की संपूर्ण जानकारी देकर नामांकन सुनिश्चित करना
2. उन्नत प्रयोगशाला की व्यवस्था करना
3. व्यावसायिक शिक्षा में नामांकित बच्चों का ट्रेड के अनुसार एक अलग छात्र उपस्थिति पंजी का संधारण करना
4. स्थानीय स्तर पर विषय विशेषज्ञों से मदद लेना तथा जिला स्तर पर अनुमोदित संस्थाओं के माध्यम से आवश्यकता अनुसार सहयोग प्राप्त करना
5. व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित समस्त सूचनाओं को सूचना पट पर लिखवाना

6. विद्यालय में चल रहे ट्रेड के बारे में जानकारी एकत्रित करना

6.1 भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावना

6.2 संबंधित ट्रेड में उच्चतर शिक्षा

6.3 संबंधित ट्रेड में रोजगार प्राप्त व्यक्तियों से संपर्क कर बच्चों को प्रोत्साहित करना

7. विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर तलाशना

7.1 लोकल फॉर्म से संपर्क स्थापित कर छात्रों का कैंपस सिलेक्शन सुनिश्चित कराना

7.2 बाजार की तलाश करना

7.3 कच्चे माल के स्रोत की जानकारी प्राप्त करना

8. इंटर्नशिप

प्रधानाध्यापक और VT तथा नियुक्ताओं की समग्र प्रतिक्रिया बहुत ही महत्वपूर्ण रही है I यह देखा गया है अन्य छात्र भी इंटर्नशिप करने वाले छात्रों से प्रेरित होकर इंटर्नशिप में भाग लेते हैं,अतः हम इंटर्नशिप के लिए स्थानीय स्तर पर फर्म/कंपनी की तलाश करें I विद्यालय स्तर पर कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए रोजगार मेले की जानकारी बच्चों को देना तथा उन्हें रोजगार मेला जाने के लिए प्रोत्साहित करना

9. बाल संसद के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा का प्रचार – प्रसार कराना

10.PTM/ SMC बैठक में व्यावासिक शिक्षा के महत्व को साझा करना

निष्कर्ष - आज के समय की मांग को देखते हुए व्यावसायिक शिक्षा छात्रों के जीवन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, इससे छात्रों में विभिन्न तरह के कौशलों का विकास हो रहा है I अतः बच्चों को व्यवसायिक शिक्षा के महत्व को समझना एवं उसकी रुचि के अनुसार विभिन्न ट्रेड में उसका नामांकन सुनिश्चित करना अनिवार्य है, विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापक को अभिभावकों व्यावसायिक प्रशिक्षण अन्य शिक्षक तथा बच्चों के साथ मिलकर व्यावसायिक शिक्षा को समझाते हुए अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है झारखंड जैसे प्राकृतिक संपदा से संपन्न राज्य में शुरू से ही ग्रामीण तथा दूरवर्ती एवं पहाड़ी क्षेत्रों में लोग विभिन्न कार्यकारी एवं छोटे-मोटे उद्योग चलाकर अपने भरण पोषण करते आ रहे हैं यदि बच्चे शुरू से ही तकनीकी ढंग से शिक्षा प्राप्त करेंगे और व्यावसायिक शिक्षा को विषय के रूप में अपनाएंगे तो भविष्य में वह एक कुशल कारीगर, कुशल प्रबंधक, मैकेनिक आदि बन पाएंगे I छोटे-छोटे उद्योग चलकर स्वरोजगार को अपना पाएंगे इससे झारखंड के ग्रामीण शहरी एवं पहाड़ी क्षेत्र के व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार आएगी तथा राज्य की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी I

REFERENCE LIST	GUIDELINES & MAGAZINES	WEBSITE
1. Gender issue in Technical and Vocational Education – **Shashi Bala, Puja Singhal .** 2. India journal on Vocational Education – **NCERT, New Delhi .** 3. Vocational Education Curriculam and guidelines – **PASSIVE Bhopal** 4. Vocational Education & Professional Training - **Elena Norris** 5. Vocational Education and Training for a Global Economy – **Marc S. Tucke**	1. Special emphasis on Vocational Education and skill development has been given under National Education policy (NEP) 2020. 2. Reimagining Vocational Education and skill Building (Ministry of Education). 3. Guidelines on Vocational Education (JEPC RANCHI). 4. Indian general of Vocational Education. 5. Journal of Vocational Education Research (JVER). 6. International Journal of Vocational Education Studies.	1.https://ncert.nic.in/vocational-education.php 2. http://psscive.ac.in/ 3. https://nsdcindia.org 4. http://www.aicte-india.org 5. https://tvetjournal.com 6.https://onlinebooks.library.upenn.edu